

MA/MSc (Previous) Geography

भौगोलिक चिन्तन का विकास MA/MSc-01

| इकाई | | |
|------|---|--|
| 1 | भूगोल का अर्थ, प्रकृति, विषय क्षेत्र और उद्देश्य | |
| 2 | प्राचीन भारत में भौगोलिक विचारधारा के विकास के मुख्य प्रदेश, युग और मुख्य पक्ष | |
| 3 | चिरसम्मत(शास्त्रीय) काल में भूगोल: यूनानी तथा रोम भूगोलवेत्ताओं की देन | |
| 4 | पूर्व मध्यकालीन भूगोल एवं अरब भूगोल वेत्ताओं का योगदान | |
| 5 | उत्तर मध्यकालीन भूगोल :पुनर्जागरण काल(1250 ई. से 1700ई.) | |
| 6 | अठारहवीं शताब्दी का भूगोल: राजनीतिक- सांख्यिकीय भूगोल, शुद्ध भूगोल, वैज्ञानिक और दार्शनिक विधियाँ एवं भूगोल का वर्गीकरण | |
| 7 | उन्नीसवीं शताब्दी का भूगोल: भूगोल का शास्त्रीय युग एवं वैज्ञानिक भूगोल की स्थापना | |
| 8 | जर्मन भौगोलिक विचारधाराएँ | |
| 9 | फ्रांसीसी भौगोलिक विचारधाराएँ | |
| 10 | वातावरण, निश्चयवाद, सम्भववाद, नवनिश्चयवाद, प्रसम्भाव्यवाद | |
| 11 | ब्रिटिश भौगोलिक विचारधाराएँ | |
| 12 | अमेरिकी विचारधाराएँ | |
| 13 | पूर्ववर्ती सोवियत संघ में भौगोलिक विचारधाराएँ | |
| 14 | भूगोल में द्वैतवाद: प्रकृतिक एवं मानव भूगोल | |
| 15 | ‘क्रमबद्ध’ और ‘प्रादेशिक’ भूगोल का द्विभाजन : भूगोल में एकता | |
| 16 | भूगोल में अभिनव प्रवृत्तियाँ | |
| 17 | समस्या उपागम, व्यावहारिक भूगोल और प्रादेशिक नियोजन | |
| 18 | आधुनिक भारत में भूगोल का अध्ययन - अध्यापन | |